CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

# हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 29 ▫ अंक- 196 ▫ रायपुर, शनिवार 8 अगस्त 2026 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

## ब्रेकिंग न्यूज

### अमित शाह ने ले लिया बड़ा फैसला, चीन पाकिस्तान, बांग्लादेश सीमा पर नियम सख्त, सुरक्षा कड़ी, पाबंदियां भी बढ़ीं

**नई दिल्ली, 8 अगस्त ( न्यूज चैनल )।** भारत की सीमाओं की सुरक्षा को पुख्ता करने और उसे घुसपैठिया मुक्त बनाने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बड़ा फैसला किया है। सीमावर्ती इलाकों में तेजी से बढ़ती अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अब राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नियंत्रण रेखा (एलओसी), वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा के बेहद करीब सौर, पवन और हाइब्रिड ऊर्जा परियोजनाओं के लिए कड़े नियम तय कर दिए हैं। इन नए दिशानिर्देशों का मकसद एक ओर देश की हरित ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने वाली परियोजनाओं को सुरक्षा के दायरे में लाना है, तो दूसरी ओर सीमावर्ती क्षेत्रों में विदेशी नागरिकों, कंपनियों और संवेदनशील बुनियादी ढांचे से पैदा होने वाले संभावित सुरक्षा जोखिमों को समय रहते रोकना है। इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 50 किलोमीटर तक के क्षेत्र को संवेदनशील मानते हुए सुरक्षा मंजूरी, रक्षा मंत्रालय की एनओसी और व्यापक निगरानी व्यवस्था को अनिवार्य बनाया है।

### सरकार से बातचीत खत्म, समझौते पर नहीं बनी सहमति; छात्रों का आंदोलन रहेगा जारी

**नई दिल्ली, 8 अगस्त ( न्यूज चैनल )।** रांची में छात्र आंदोलन को लेकर सरकार और छात्रों के प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई वार्ता खत्म हो गई है। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई, लेकिन समझौते को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं हो सका है। वार्ता के बाद छात्रों ने सत्याग्रह आंदोलन जारी रखने की बात कही है। वहीं, मंत्री शुद्धिव्य कुमार सोनू ने एक वेबसाइट का जिक्र करते हुए कहा कि छात्र इस माध्यम से अपनी राय और सुझाव सरकार तक भेज सकते हैं। बता दें कि सरकार और छात्र प्रतिनिधिमंडल के बीच दूसरे दौर की वार्ता शुरू हुई थी। बैठक में सरकार की ओर से चार मंत्री छात्र प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रहे थे। इससे पहले शुक्रवार को भी सरकार और छात्रों के प्रतिनिधिमंडल के बीच वार्ता हुई थी, लेकिन छात्रों की प्रमुख मांगों पर सहमति नहीं बन सकी थी।

**चूहा- सुनती हो, दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बंद कर देना चाहिए।**

**चुहिया- हां जी, लेकिन जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से ही लोग हीरो बनते हैं..!**

## राजधानी में ट्रैफिक को लेकर बड़े बदलाव की तैयारी

# चंदनीडीह से पुराने धमतरी रोड तक बनेगी नई सड़क

### सभी विभाग के अधिकारी करेंगे प्रस्तावित मार्ग का निरीक्षण

**रायपुर, 8 अगस्त ( हाईवे चैनल )।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के बाहरी इलाकों और रिंग रोड पर लगने वाले भारी ट्रैफिक जाम से आम जनता को राहत दिलाने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। चंदनीडीह से पुराने धमतरी रोड तक नई सड़क बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस योजना को लेकर प्रशासन पूरी तरह गंभीर है।

रायपुर कलेक्टर, निगम कमिश्नर, टाउन प्लानिंग के संचालक और लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी संयुक्त रूप से आज इस प्रस्तावित मार्ग का निरीक्षण करेंगे। मौके पर जाकर यह देखा जाएगा कि सड़क निर्माण में कौन-कौन सी बाधाएं या दिक्कतें आ सकती हैं, ताकि उनका समय रहते समाधान किया जा सके। अधिकारियों के इस दौरे और निरीक्षण के बाद नई सड़क का विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार किया जाएगा। वर्तमान में रिंग रोड-5 (चंदनीडीह) से शहर की ओर आने वाले या भारी वाहनों को पचपेढ़ीनाका जाना ही पड़ता है। इसके लिए टाटीबंध चौक के नए ओवरब्रिज की सर्विस रोड का उपयोग करना पड़ता है, जिससे भारी जाम लगता है। चंदनीडीह से पुराना धमतरी रोड तक नई सड़क बनने के बाद वाहन

चालकों को पचपेड़ी नाका जाने की आवश्यकता नहीं होगी। लोग इस नई सड़क से कमल विहार की पहले से बनी सड़क होते हुए सीधे पुराने धमतरी रोड तक पहुंच सकेंगे। इस मार्ग के बन जाने से धमतरी, रायपुर, नवा रायपुर और वीआईपी रोड होते हुए मंदिर हसौद की ओर आना-जाना बेहद सुगम हो जाएगा। भिलाई-दुर्ग और बिलासपुर-बीरगांव जाने वाले यात्रियों को भी बड़ी राहत मिलेगी। गणेश और दुर्गा विसर्जन के लिए मौजूदा समय में मुख्य सड़कों पर भारी दबाव रहता है। इसे देखते हुए रायपुर विकास प्राधिकरण के रायपुरा रोड स्थित इंद्रप्रस्थ-2 के पहले मनुआस रियलिटी से एक नई सड़क बनाई जाएगी।

## चंबा के तीसा-बैरागढ़ मार्ग पर यात्रियों से भरी बस पलटी

# सात लोगों की मौत, 11 घायल

**नई दिल्ली, 8 अगस्त ( न्यूज चैनल )।** हिमाचल के चंबा जिले में शनिवार सुबह एक बड़ा बस हादसा हुआ। तीसा-बैरागढ़ मार्ग पर चालुज मोड़ के पास यात्रियों से भरी शर्मा बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस भीषण हादसे में सात लोगों की जान चली गई, जबकि 11 अन्य यात्री घायल हुए हैं। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल बन गया। बैरागढ़ से चंबा की ओर जा रही यह निजी बस हादसे का शिकार हुई। जानकारी के अनुसार, बस में करीब 20 से 25 सवारियां मौजूद थीं।

पुलिस अधीक्षक चंबा विजय सकलानी ने बस दुर्घटना की सूचना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है। हादसे के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस मौके पर पहुंचकर दुर्घटना के कारणों की जांच करेगी। घायल यात्रियों को

अस्पताल पहुंचाने की तैयारी चल रही है।

हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण और स्थानीय लोग मौके पर एकत्रित हो गए। उन्होंने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके के लिए रवाना किया गया। पुलिस और प्रशासन की टीम के पहुंचने के बाद बचाव कार्य में तेजी आई।

**मृतकों की सूची**

जगदेव पुत्र धर्म सिंह, गांव बाहला देवीकोठी। हरदेई पत्नी जगदेव, गांव बाहला देवीकोठी। देसराज पुत्र त्रिलोचन, गांव बाहला देवीकोठी। चालक-रूप सिंह पुत्र राधाराम, गांव चिल्ली थल्ली। कंडक्टर- तेज सिंह पुत्र प्यारे लाल, गांव सत्यास तरेला। निलमा पत्नी मोतीराम, निवासी चिल्ली देवीकोठी। जगदेई पत्नी हरिलाल गांव, बाहला देवीकोठी।

### हनी ट्रैप में फंसा वायुसेना अधिकारी?: पाक एजेंटों को रक्षा से जुड़ी जानकारी देने का आरोप

**नई दिल्ली, 8 अगस्त ( न्यूज चैनल )।** भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर को कथित तौर पर सोशल मीडिया के जरिये पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों ने हनी ट्रैप में फंसाया था। इसके बाद उस पर रक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी लीक करने का आरोप है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, इस अधिकारी पर लगातार नजर रखी जा रही थी और अब उसे कानून लागू करने वाली एजेंसियों को सौंप दिया गया है। वायुसेना ने आधिकारिक गोपनीयता कानून के तहत ऐसे मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने की बात कही है।

## सरगुजा संभाग में भारी बारिश की चेतावनी, रायपुर में यलो अलर्ट

**रायपुर, 8 अगस्त ( हाईवे चैनल )।** झारखंड और उत्तर प्रदेश के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की संभावना जताई है। खासकर उत्तर छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान है। इसे देखते हुए विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले चार दिनों के दौरान सरगुजा संभाग के कुछ इलाकों में भारी वर्षा हो सकती है। वहीं प्रदेश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और मौसम संबंधी अपडेट पर नजर बनाए रखने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस मानसून सीजन में सरगुजा संभाग में अब तक सामान्य से करीब 54 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। ऐसे में आगामी दिनों में होने वाली बारिश से बारिश की कमी कुछ हद तक पूरी होने की उम्मीद जताई जा रही है। मौसम वैज्ञानिक एसके अवस्थी ने बताया कि अगले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के अधिकतम तापमान में किसी विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। हालांकि इसके बाद अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। पिछले 24 घंटे के दौरान मध्य छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान 32 से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। वहीं उत्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में बारिश का अनुमान है।

## 13 साल बाद झीरम में इंसाफ की दस्तक
## 10 अगस्त को होगी आखिरी बहस

**जगदलपुर, 8 अगस्त ( हाईवे चैनल )।** 13 सालज एक ऐसा इंतजार, जिसमें बस्तर ने अपने नेताओं, जवानों और आम नागरिकों को खोने का दर्द झेला। अब इसी इंतजार का मामला न्याय की दहलीज पर पहुंच चुका है। 25 मई 2013 के झीरम घाटी नक्सली हमले की सुनवाई अब अंतिम दौर में है। 10 अगस्त को अदालत में मामले की अंतिम बहस होगी। इसके बाद अदालत फैसला सुरक्षित रख सकती है या निर्णय की तारीख तय कर सकती है।

बता दें कि इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन चला है, जिनमें एक आरोपी की मौत हो चुकी है। अभियोजन पक्ष की ओर से 101 गवाहों के बयान अदालत में दर्ज किए जा चुके हैं। गवाहों के बयान और दस्तावेजी साक्ष्यों के बाद अब दोनों पक्ष अपने अंतिम तर्क रखेंगे।

दरअसल, झीरम हमले में कांग्रेस की एक पूरी पीढ़ी खत्म हो गई थी। महेंद्र कर्मा, नंदकुमार पटेल, विद्याचरण शुक्ल, उदय मुदलियार समेत कई लोगों और पुलिस जवानों की जान गई थी। अब 13 साल बाद सवाल सिर्फ उस हमले की याद का नहीं, बल्कि उसके गुनहगारों तक कानून पहुंचने का है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के प्रदेश महासचिव और अधिवक्ता अवधेश कुमार झा का कहना है कि कांग्रेस लगातार झीरम मामले में न्याय की मांग करती रही है। उन्होंने कहा कि 100 से ज्यादा गवाहों की गवाही और परीक्षण-प्रतिपरीक्षण पूरा हो चुका है और मामला अब फैसले के स्तर पर पहुंच गया है। अब 10 अगस्त की अंतिम बहस के बाद देश की नजर अदालत के अगले कदम पर होगी।

## अब सीतापुर में सीमेंट की निकली अटल जी की मूर्ति, दरारें आने के बाद जांच की उठी मांग

**रायपुर, 8 अगस्त ( हाईवे चैनल )।** भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई की स्मृति को चिर स्थाई बनाने के लिए छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने प्रदेश भर के नगरीय निकायों में अटल परिसर बनाने की योजना तैयार की, मगर यह योजना सरकार के लिए गले की घंटी बन गई है। अटल परिसरों में घटिया मूर्ति लगाए जाने का जो सिलसिला कटघोरा से शुरू हुआ है, वह आगे बढ़ता ही जा रहा है। अब सरगुजा के सीतापुर नगर पंचायत में भी बारिश ने मूर्ति की पोल खोल दी है।

सरगुजा जिले के सीतापुर नगर पंचायत में स्थापित भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा की गुणवत्ता को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि तांबे की प्रतिमा के बजाय सीमेंट से बनी मूर्ति पर पेंट कर तांबे जैसा लुक दिया गया। ठेकेदार ने करीब 6.99 लाख रुपये में यह काम लिया था। प्रतिमा में दरार और पपड़ी निकलने के बाद विधायक रामकुमार टोप्पो ने निष्पक्ष जांच के आदेश दिए हैं। सीतापुर के वार्ड क्रमांक-10 स्थित आहारा तालाब के अटल परिसर में 25 दिसंबर 2025 को अटल जयंती पर यह प्रतिमा स्थापित की गई थी। स्थापना के 6 महीने बाद ही बारिश के बाद प्रतिमा में दरारें पड़ गईं और बाहरी पेंट उखड़ने लगा। भीतर से सीमेंट जैसी सामग्री दिखने का दावा किया जा रहा है। बारिश में मूर्ति में लगाई गई पेंट भी धुल गई है। इस प्रतिमा का निर्माण धातु से करना बताया गया है, लेकिन इसमें दरारें और टूट-फूट आने से इसकी गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यदि यह प्रतिमा विशुद्ध रूप से कांस्य (ब्रांज) से निर्मित है, तो इसमें इस तरह की क्षति होना संभव नहीं है। इसमें मिश्रित धातु का उपयोग किया है या फिर इसमें बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच विशेषज्ञों से कराई जानी चाहिए। प्रदेश सरकार की योजना के तहत सीतापुर में करीब 20 लाख रुपये की लागत से अटल परिसर का निर्माण होना था, वहीं 13 लाख रुपये से प्रतिमा निर्माण की अनुमानित लागत नगरीय निकाय के अनुभवी अफसरों ने तय की थी। फिर सवाल यह उठता है कि ठेकेदार को करीब 6.99 लाख रुपये में मूर्ति लगाने का काम कैसे दे दिया गया ? जानकारों का कहना है कि इतनी रकम में कांस्य की मूर्ति बन ही नहीं सकती। आखिर सीतापुर नगर पंचायत के सीएमओ और संबंधित विभाग ने इतनी कम रकम में ठेका कैसे दे दिया।

नगर पंचायत के सीएमओ ओमप्रकाश शर्मा अपनी सफाई में कहते हैं कि गुणवत्ता को लेकर शुरू से संशय था, इसलिए ठेकेदार का भुगतान रोक दिया गया है। जांच रिपोर्ट और उच्चाधिकारियों के निर्देश के बाद आगे की कार्रवाई होगी। मामला सामने आते ही सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने अधिकारियों को निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए।

CMYK